आधी आबादी

हर सन्डे वूमेन्स डे

संस्करण – रविवार, 19 मई 2024, अंक – 54

विशेष संपादकीय

'आधी आबादी' से संवाद की है तैयारी, पीएम के इस संवाद के मायने?

– दिनेश के सिंह

इस बार लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने कई मौकों पर आधी आबादी का आह्वान करते हुए उनसे आशीर्वाद मांगा है। पीएम मोदी के बार-बार आधी आबादी का जिक्र करने का साफ मतलब है कि महिला वोटरों की ताकत बढ़ी है। प्रधानमंत्री हर हाल में महिला वोटरों को अपने साथ रखना चाहते हैं और इसके लिए तमाम तरह के उपाय भी किए जा रहे हैं। बनारस में 1 जून को लोकसभा के लिए मतदान किए जाएंगे। इस बीच एक बड़ी ख़बर आई है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 मई को काशी प्रवास करेंगे। वे संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन में मातृशक्ति से सीधे संवाद करेंगे। इसमें 25 हजार से अधिक महिलाओं का समागम होने की उम्मीद है। भाजपा महिला मोर्चा ने इसको लेकर तैयारी तेज कर दी है। जिसके लिए महिला कार्यकर्ताओं को हर बूथ से 10 महिलाओं को सम्मेलन में लेकर आना है। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक व स्वयं सेवी संगठनों से संपर्क किया जा रहा है। इसके अलावा महिला महाविद्यालय की छात्राएं, शिक्षिकाएं, लाभार्थी महिलाओं से संपर्क हो रहा है। इस कार्यक्रम में महिला डॉक्टर, शिक्षिकाएं, गृहणियां, अधिवक्ता, खिलाड़ी, व्यापारी वर्ग की महिलाएं को निमंत्रण दिया जा रहा है।

अब बड़ा सवाल है कि आधी आबादी से इस संवाद के मायने आखिर क्या हैं? जाहिर है प्रधानमंत्री इस संवाद से बनारस समेत पूरे देश की महिलाओं को यह संदेश देना चाहते हैं कि आधी आबादी के मुद्दों के लिए वो कितने संवेदनशील हैं। इससे पहले भी जब कभी अवसर आया है प्रधानमंत्री ने लगातार महिलाओं के मुद्दों की बात की है और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की भी बात की है। इसमें उन्हें काफी कामयाबी भी मिली है कि आज देश भर में महिला मतदाता मोदी का समर्थन करती दिखती हैं।

इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए मोदी सरकार समय-समय पर योजनाएं लेकर आती रहती है। हाल ही में भारत के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर एक योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसे स्त्री शक्ति योजना का नाम दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत जो भी महिलाएं खुद का बिजनेस शुरू करना चाहती हैं, उन्हें बहुत ही कम ब्याज पर लोन दिया जाता है। इस लोन का उपयोग महिलाएं अपना बिजनेस शुरू करने के लिए कर सकती हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 9 साल के शासनकाल में विकास पर जोर देने के साथ-साथ महिला उत्थान पर भी बहुत ज्यादा ध्यान दिया। मोदी सरकार ने 27 साल से भी ज्यादा इंतजार के बाद पहली बार महिला आरक्षण बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित कराया। इस बीच मोदी सरकार ने महिलाओं को लेकर बनाई गई योजनाओं का नाम भी ऐसे रखा, जो सीधे महिलाओं के दिल को छू रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को गैस सिलिंडर देना, जनधन योजना के तहत खाता खुलवाना, मुस्लिम महिलाओं को लेकर तीन तलाक को कानूनी रूप से खत्म करना जैसे विधेयक ने पीएम मोदी के कद को बढ़ाया। ये योजनाएं हैं, जिससे 20 करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं, 5 करोड़ से ज्यादा स्कूलों छात्राओं और 11 करोड़ से ज्यादा कामकाजी महिलाओं को लाभ पहुंचा है। इसलिए भी महिलाओं का भरोसा पीएम पर बढ़ा है और उसी भरोसे को एक नई ऊंचाई देते हुए बनारस में आधी आबादी से उनका संवाद चर्चा के केंद्र में आ गया है।

फुल बॉडी मसाज फिर गंदा खेल, फरीदाबाद के स्पा सेंटर में ग्राहकों के वीडियो बना ब्लैकमेलिंग का मामला!

स्पा सेंटर में आने वालों को लूटने के लिए राजधानी दिल्ली से सटे फरीदाबाद सेक्टर-12 में एक खेल खेला जा रहा था। जहां अपने ग्राहकों को सबसे पहले वेलकम ड्रिंक में नशा पिलाकर बेहोश किया जाता, फिर एक युवती अपने साथी के साथ मिलकर उनका अश्लील विडियो बना लेती। इसके बाद ब्लैकमेल कर कैश और अन्य सामान की डिमांड की जाती। ख़बर है कि आरोपी युवती ने एक आईटी इंजीनियर को इसी तरह हनीट्रैप में फंसाकर 13 लाख रुपये वसूल लिए। पीड़ित से जूलरी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान भी लिया गया और रुपयों की डिमांड की गई तो इंजीनियर ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी युवती और उसके साथी को पीड़ित से 80 हजार रुपये लेते गिरफ्तार कर लिया। एसीपी सेंट्रल राजीव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संतोष कुमार उर्फ संजू व छाया (बदला हुआ नाम) शामिल हैं। संतोष बल्लभगढ़ की विष्णु कॉलोनी का रहने वाला है। वह बल्लभगढ़ में ही

■ हीरेंद्र झा

मेडिकल स्टोर चलाता है। सेक्टर सात के रहने वाले एक आईटी इंजीनियर ने सेंट्रल थाने में शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया था कि उनकी मुलाकात छाया के साथ करीब आठ महीने पहले हुई थी। छाया सेक्टर-12 के मॉल में क्रिस्टल स्पा में काम करती है। छाया स्पा सेंटर में बुलाकर अश्लील विडियो बनाती थी। आईटी इंजीनियर ने पुलिस को बताया कि एक दिन छाया ने उसे अपनी और उसकी अश्लील विडियो दिखाई और संतोष के साथ मिलकर उन्हें ब्लैकमेल करने लगी। दोनों ने पैसों की मांग की। पैसे न देने की सूरत में अश्लील विडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने की धमकी दी। इसके बाद दोनों ने ब्लैकमेल कर 13 लाख रुपये, सोने की चेन, वॉशिंग मशीन, मोबाइल व अन्य सामान ले लिया। 14 मई को आरोपियों ने फिर से पीड़ित को ब्लैकमेल किया और 13 लाख रुपये और देने की मांग की। इंजीनियर ने तंग आकर पुलिस को सूचना दी। थाना सेंट्रल प्रभारी ने एसीपी सेंट्रल के निर्देश पर सेक्टर-12 टाउन पार्क में 80 हजार रुपये लेते हुए दोनों ब्लैकमेलर्स को मौके से काबू कर लिया गया। दोनों को कोर्ट में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर मामले में पूछताछ की गई है।

दिल्ली, मुंबई के अलावा देश के कई हिस्सों से भी इस तरह के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। स्पा के नाम पर देह व्यापार का धंधा भी काफी तेजी से बढ़ा है। ऐसे में आज मस्ती और मनोरंजन के नाम पर ठगा जाना बहुत आसान हो गया है। और इसी का लाभ कुछ युवा और यवतियाँ उठा रही हैं। अगर आप इस दलदल से दूर रहेंगे तो फिर आपको कोई ठग नहीं पाएगा। पुलिस तो बाद में आएगी। लेकिन, अगर आप सजग हैं और जिम्मेदार हैं तो ऐसे पचड़ों से आप स्वयं ही खुद को बचा सकते हैं। इसलिए जिम्मेदारी आपकी है। आखिर पैसा और इज्जत दोनों दांव पर क्यों लगाना?

इंटरव्यू

अब फाल्के अवॉर्ड की लालसा नहीं रही, मैं पद्म विभूषण से ही खुश हूं: वैजयंती माला

अपने दौर की दिग्गज अभिनेत्री वैजयंती माला को हाल ही में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने आधी आबादी से संडे से बातचीत की जो आप यहाँ पढ़ सकते हैं।

सवाल : अभी सोशल मीडिया पर आपके अयोध्या में नृत्य का वीडियो काफी लोकप्रिय हुआ? क्या कहना चाहेंगी?

वैजयंती माला : मैंने कभी सोचा नहीं था कि मंदिर बनने का सपना मेरे जीवन में पूरा होगा। सोचा, रामलला के दर्शन के लिए मुझे कब बुलावा आएगा। इधर जब अयोध्या से मुझे नृत्य के लिए बुलावा आया तो मैं धन्य हो गई। मुझे नृत्य के साथ वहां परिवार सहित रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। मैं बढ़ती उम्र के कारण वहां घूम-घूम कर तो नहीं नाची, लेकिन मैंने 'सीताराम श्लोकम' पर अभिनय, भाव और मुद्रा से नृत्य प्रस्तुति की जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। खुशी तो होती ही है।

सवाल : पद्म विभूषण मिलने पर क्या कहना चाहेंगी?

वैजयंती माला : मैंने तो कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि इतना बड़ा सम्मान मिलेगा। जब मुझे यह बताया गया तो अच्छा तो लगा, लेकिन आश्चर्य भी हुआ। मैं भारत सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आभारी हूं, और बहुत खुश भी हूं। मैं मानती हूं, यह भगवान की देन है। साथ ही कला में मेरी जो भागीदारी रही है, यह उसकी वजह से है। मैं इसके लिए भगवान को कितना भी धन्यवाद करूं, कम ही है।

सवाल : पिछले दिनों आशा पारेख, वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के सम्मान मिला, तो लगा कि अब आपको फाल्के मिलेगा...

वैजयंती माला : सच कहूं तो फाल्के पुरस्कार की अब मुझे कोई लालसा नहीं है। मैं पद्म विभूषण से ही बहुत खुश हूं, 90 की उम्र में मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए।

सवाल : अभी पीएम मोदी चेन्नई आए तो उन्होंने आपसे भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात का क्या प्रयोजन था?

वैजयंती माला : बस यह एक शिष्टाचार भेंट थी। असल में पद्म पुरस्कार मिलने की घोषणा के बाद मैंने पीएम मोदी को धन्यवाद पत्र लिखकर एक आग्रह भी किया था कि जब हम पुरस्कार लेने दिल्ली आएंगे तो आपसे मिलने का समय चाहेंगे। पर वह तभी चेन्नई आ रहे थे, तो उन्होंने हमें चेन्नई में मिलने का समय दे दिया।

सवाल : पीएम मोदी ने क्या आपकी फिल्मों को लेकर भी बात की?

वैजयंती माला: फिल्मों पर नहीं, लेकिन नृत्य और मेरे स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी बात हुई। हम उनके व्यक्तित्व और आभामंडल से कुछ असहज थे। मेरा बेटा और बहू तो उन्हें देखते ही रह गए। लेकिन मिलने पर उन्होंने बहुत ही सहज महसूस कराया। जब मैंने उन्हें बताया कि मैं अभी अयोध्या नृत्य करके आई हूं, तो उन्होंने कहा- हां, मुझे मालूम है। तो मैं यह जानकर बहुत खुश हुई। वह मुलाकात जिंदगी भर याद रहेगी।

सवाल : आपने 20 वर्ष के करियर में कई बड़े एक्टरों के साथ काम किया। लेकिन आपको अपनी जोड़ी किस हीरो के साथ सबसे ज्यादा अच्छी लगी?

वैजयंती माला : ज्यादातर अच्छे रहे। लेकिन मैं समझती हूं कि दिलीप कुमार के साथ मेरी जोड़ी सबसे ज्यादा पसंद की गई। मैंने सबसे ज्यादा और हिट फिल्में दिलीप साहब के साथ कीं, जैसे- 'देवदास', 'मधुमती', 'गंगा-जमुना', 'पैगाम', 'लीडर', 'नया दौर', 'संघर्ष'। सायरा जी भी कहती हैं कि दिलीप साहब की मेरे साथ जोड़ी सबसे अच्छी रही।

हलचल

चौथे चरण में चार राज्यों में पुरुषों से अधिक महिलाओं ने किया मतदान

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 8.97 करोड़ पुरुषों में से 69.58 प्रतिशत और 8.73 करोड़ महिलाओं में से 68.73 प्रतिशत ने मतदान किया। 17.7 करोड़ मतदाताओं वाली 96 लोकसभा सीटों पर 13 मई को सात चरण के चुनाव के चौथे दौर में मतदान हुआ। इस चरण में बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल में मतदान के मामले में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 13 मई को मतदान हुआ।चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, चौथे चरण में मतदान 69.16 प्रतिशत रहा, जो 2019 के संसदीय चुनावों में इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अधिक है। लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के आंकड़े 65.68 प्रतिशत रहे। 2019 चुनाव के तीसरे चरण में 68.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के दूसरे चरण में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं, आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 2019 के चुनाव में पहले चरण में 69.43 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग ने दोहराया कि मतदान के अंतिम आंकड़े मतगणना के बाद ही उपलब्ध होगा, जिसमें डाक मतपत्रों की गिनती होगी और इसे कुल वोटों की गिनती में जोड़ा जाएगा।

'सात सालों से दूसरे देश में...', क्या लालू की बेटी रोहिणी आचार्य भारत की नागरिक नहीं हैं?

सारण संसदीय क्षेत्र से राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के नामांकन में तथ्यों को छिपाने को लेकर पटना उच्च न्यायालय में रिट याचिका दर्ज होने के बाद भाजपा के न्यायिक मामले एवं चुनाव आयोग संपर्क प्रमुख एसडी संजय ने कहा कि नामांकन स्वीकृत करना रिटर्निंग आफिसर द्वारा जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है। भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए संजय ने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत रिटर्निंग अधिकारी को जांच करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह सबको मालूम रोहिणी आचार्य दूसरे देश में सात वर्षों से रहती हैं। इस स्थिति में उनका पासपोर्ट स्टेटस क्या है? उनके आवास के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह भी अस्पष्ट है कि वे भारत की नागरिक हैं या नहीं। ऐसी स्थिति में अपने देश के प्रति निष्ठा रख रही हैं या नहीं, यह भी जांच नहीं हुई। संजय ने कहा कि इसी जांच के लिए पटना उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है और आग्रह किया गया है कि जल्द विशेष सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शपथ पत्र में कई भ्रामक सूचना दी गई है। संपत्ति का ब्यौरा भी गलत दिया गया है। संजय ने कहा कि रोहिणी ने तथ्यों को छिपा कर मतदाताओं को भ्रम में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर रोहिणी चुनाव जीत भी जाती हैं तो उनके अयोग्य होने के बाद स्थिति बदल जाएगी।

स्वाति हैं बीजेपी के षड्यंत्र का चेहरा - आतिशी

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट के मामले में शुक्रवार शाम दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आतिशी ने कहा, "बीजेपी ने साजिश रची। इसी साजिश के तहत बीजेपी ने स्वाति को केजरीवाल के आवास पर भेजा। इस साजिश का मकसद था केजरीवाल पर झूठा आरोप लगाना। स्वाति इस साजिश का चेहरा थीं। स्वाति बिना अपॉइंटमेंट लिए मुख्यमंत्री आवास पहुंची थी। उनका इरादा था कि सीएम पर आरोप लगाए जाएं। मगर वो उस समय उपलब्ध नहीं थे तो वो बच गए। इसलिए स्वाति ने बिभव कुमार पर आरोप लगाए।" आतिशी बोलीं, "स्वाति ने जो शिकायत की थी। इस एफआईआर में स्वाति कहती हैं कि उनकी बेरहमी से मार पिटाई हुई। उन पर मुक्के मारे गए। चोट लगी। वो कहती हैं कि उस चोट के बाद वो दर्द में कराह रही हैं। वो अपनी शिकायत में कहती हैं कि उनके कपड़े फाड़े गए। मगर आज जो वीडियो आया, उसमें उनकी हालत अलग दिखी। वो पुलिसवालों को डरा धमका रही हैं। वो आराम से बैठी दिख रही हैं। उनके कपड़े नहीं फटे हुए हैं। सिर्फ एक चीज दिख रही है कि वो सबको धमका रही हैं।" आतिशी ने स्वाति मालीवाल के आरोपों को गलत बताया है। आतिशी से पूछा गया कि मारपीट की बात सही नहीं है तो संजय सिंह ने स्वाति के साथ बदसलूकी की बात क्यों कही थी। आतिशी ने इस पर जवाब दिया, "तब संजय सिंह को पूरी बात पता नहीं थी। उनको सिर्फ एक पक्ष पता था।"

प्रधानमंत्री मोदी पर प्रियंका गांधी का तंज, कहा - अपने भैंसों को पकड़ लो!

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जनसंपर्क किया। उन्होंने अपने भाई व लोकसभा प्रत्याशी राहुल गांधी के लिए लोगों से समर्थन मांगा। इस दौरान उन्होंने केंद्र की सरकार और पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव के समय अजीब-अजीब सी बातें करते हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि आपके पास दो गाड़ी है तो कांग्रेस एक गाड़ी ले लेगी। एक्स-रे मशीन लाएगी और आपके गहने चुरा लेगी। आपके दो भैंसे हैं तो एक भैंस चुरा लेगी। उन्होंने हंसते हुए जनता से कहा, भैंसों को पकड़ लो। क्या पता मैं चुरा लूं। कांग्रेस की नेता हूं। बात ये है कि दस सालों के राज के बाद जब अपने काम नहीं गिना सकते और ऐसी बकवास की बातें करते हैं तो इसका मतलब है कि मोदी कट गए हैं आपसे। प्रियंका ने कहा कि 100 दिन के रोजगार की गारंटी देने के लिए कांग्रेस मनरेगा लेकर आई। इससे आपको रोजगार का अधिकार मिला है। 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी नरेन्द्र मोदी के राज में है। उन्होंने कहा कि आपको भोजन का अधिकार मिला। प्रियंका वाड्रा ने लोगों से पूछा कि आपको पांच किलो राशन मिलता है, लोगों ने बताया कि हां मिलता है। फिर पूछा कि मोदी जी की फोटो लगी है उसमें, लेकिन आपको मालूम है कि मोदी जी की सरकार आने से पहले कांग्रेस ने यह आपका अधिकार बनाया था। मोदी जी की मजबूरी है कि आपको राशन दे रहे हैं। कांग्रेस ने कानून बनाया था कि गरीब परिवार को भोजन का अधिकार है।

निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा का सफाया तय: मायावती

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा महंगाई से मुक्ति नहीं दिला पा रही है। राशन से बदले वोट गरीबों के साथ मजाक है। भाजपा गरीबी-पिछड़ापन दूर करने में विफल साबित हो रही है। संबोधन में उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि यदि इस बार चुनाव फ्री एंड फेयर हुए, वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी नहीं हुई तो भाजपा सरकार आसानी से नहीं बनने वाली। जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रादायिक और द्वेषपूर्ण नीतियों, कथनी-करनी में अंतर होने की वजह से लगता है कि भाजपा केंद्र की सरकार में वापस नहीं आने वाली। इनकी नाटकबाजी और जुमलेबाजी को देश की जनता समझ चुकी है। अच्छे दिन जैसे हवा-हवाई वादे सहित इनके एक चौथाई वादों को जमीनी हकीकत नसीब नहीं हुई। इनका ज्यादातर समय इनके चहेते पूंजीपतियों व धन्नासेठों को मालामाल करने व हर स्तर पर बचाने में लगा रहा। मायावती ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया सर्वे के जरिए केंद्र सरकार अपने को आगे दिखाने का प्रोपोगंडा कराती है। इस बहकावे में नहीं आना है। साथ ही पार्टियों के घोषणापत्रों के भी बहकावे में नहीं आना है। चुनाव के बाद पार्टियां घोषणापत्रों को अमल में नहीं लाती हैं। इसीलिए हमारी पार्टी घोषणापत्र नहीं लाती है। हमारी पार्टी ने चार बार की सरकार में बिना घोषणापत्र के विकास कार्य करके दिखाए हैं।

लोकसभा चुनाव के बीच विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन पर बार-बार क्यों बदल रहे हैं ममता बनर्जी के सुर

▪ आधी आबादी डेस्क

लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा विरोधी 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर तृणमूल कांग्रेस नई सरकार के गठन में 'बाहर से समर्थन' देगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलकों में कयासों और अटकलों का दौर तेज़ हो गया। सवाल उठ रहा था कि क्या उनकी इस टिप्पणी में कोई नया संकेत छिपा है? इस चर्चा के ज़ोर पकड़ने के बाद ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने बयान बदल दिया। उन्होंने बता दिया कि वो गठबंधन में शामिल हैं।

कांग्रेस समेत कुछ घटक दलों के ख़िलाफ़ अपनी नाराज़गी नहीं छिपा पाने के बावजूद ममता इंडिया गठबंधन की जीत के प्रति आश्वस्त हैं। दूसरी ओर, बंगाल में इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं होने की बात कहने के बावजूद वो कहती रही हैं कि केंद्र में उनकी पार्टी इसका हिस्सा है। लेकिन बुधवार से पहले उनके मुंह से ऐसा नया सुर सुनने में नहीं आया था। देश में लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों का मतदान हो चुका है। अब पांचवें चरण का मतदान होना है। इसके साथ ही राजनीतिक समीकरण भी बदले हैं। जानकार भले ही गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल उठाते रहे हों, अब तस्वीर कुछ बदली सी दिख रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ़्तारी और विपक्ष के नेताओं के ख़िलाफ़ केंद्रीय एजेंसियों की सक्रियता जैसे मुद्दों पर 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों में एकजुटता बढ़ी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ धार्मिक ध्रुवीकरण के आरोप, संदेशखाली मामले के ताज़ा घटनाक्रम और दूसरी घटनाओं से भाजपा कुछ हद तक असहज स्थिति में ज़रूर है। यह भी माना जा रहा है कि भाजपा की यह असहजता 'इंडिया' गठबंधन के हित में काम कर रही है। मौजूदा परिस्थिति में सरकार के गठन में बाहर से सहायता देने की ममता बनर्जी की टिप्पणी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ये सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या यह बयान 'इंडिया' गठबंधन को लेकर ममता बनर्जी के नए रुख का संकेत है या फिर चुनाव के अगले चरणों को ध्यान में रखते हुए इसके पीछे कोई राजनीतिक समीकरण काम कर रहा है? भाजपा ने उनके इस बयान पर कटाक्ष किया। वाममोर्चा और कांग्रेस ने इसे मौकापरस्ती करार दिया है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों की राय में इस बयान के पीछे ठोस राजनीतिक समीकरण हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान पर राजनीतिक माहौल गरमाने के बाद उन्होंने एक बार फिर अपना बयान बदल दिया। पहले बयान के 24 घंटे के भीतर गुरुवार शाम को हल्दिया में अपनी एक चुनावी सभा में उन्होंने दावा किया कि वो राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन में शामिल हैं। मुख्यमंत्री का कहना था, "ऑल इंडिया लेवल (अखिल भारतीय स्तर) पर हमने विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन तैयार किया था। हम गठबंधन का हिस्सा बने रहेंगे। कई लोगों ने मेरे बयान को गलत समझा है। मैं गठबंधन में शामिल हूं। मैंने वह गठबंधन तैयार किया है और उसमें शामिल भी रहूंगी। राष्ट्रीय स्तर पर हम गठबंधन में रहेंगे। बंगाल में सीपीएम और कांग्रेस भाजपा के साथ हैं।"

'इंडिया' गठबंधन को 'बाहर से समर्थन' देने और राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का हिस्सा होने के बयान सामने आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, "वो (ममता) गठबंधन से पलायन कर गई हैं। ममता अपनी विश्वसनीयता खो चुकी हैं। मैं उनकी किसी भी बात पर भरोसा नहीं करता। हवा का रुख बदलते हुए देख कर वो इधर झुक रही हैं। भाजपा का पलड़ा भारी देख कर उधर चली जाएंगी।"

सर्राफा बाज़ार

22 कैरेट सोना	चांदी
₹69,280	₹96,500
प्रति 10 ग्राम	प्रति किलो

अरविंद केजरीवाल के हरम की अभी और कहानियां आनी शेष हैं

▪ दयानंद पांडेय

पिटाई हुई यह तो अब हक़ीक़त है। पर पिटाई हुई क्यों? स्वाति मालीवाल ने न किसी बयान, न किसी ट्वीट आदि या एफ आई आर में यह बात बताई है। पीटा विभव ने यह बताया है एफ आई आर में पर अरविंद केजरीवाल के इशारे पर पिटाई हुई कि सुनीता केजरीवाल के इशारे पर। क्यों हुई? इस दोनों बिंदु पर ख़ामोश क्यों हैं स्वाति मालीवाल। यह तो वही जानें। बार-बार पत्रकारों ने उन के दिल्ली के शीश महल में राज्य सभा सदस्य स्वाति मालीवाल की पिटाई के बाबत सवाल पूछ लिया था। सवाल सुनते ही अरविंद केजरीवाल नरभसा गए। मतलब नर्वस हो गए। जैसे सांप सूंघ गया हो। अरविंद केजरीवाल की मुश्किल देखते हुए अखिलेश यादव ने माइक संभाला। पर वह भी लड़बड़ाते रहे। फिर माइक संभाला संजय सिंह ने। संजय सिंह मणिपुर , पहलवान आदि की भूलभुलैया में घूमते रहे। एक मिनट में ही अरविंद केजरीवाल उठ खड़े हुए। प्रेस कांफ्रेंस ख़त्म।

दिलचस्प यह कि केजरीवाल अपने आरोपी पी ए विभव को ले कर लखनऊ आए थे। अंदर प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी बाहर कार में विभव सिर झुकाए बैठा था। कार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता चारो तरफ से घेरे रहे ताकि मीडिया के हत्थे न चढ़ जाए। एयरपोर्ट पर भी विभव केजरीवाल के साथ फ़ोटो में कैप्चर हो गया था। विभव को लखनऊ में केजरीवाल के साथ देखते ही स्वाति मालीवाल भड़क गईं। उन के सब्र का बांध टूट गया। दिल्ली में स्वाति मालीवाल ने विभव के ख़िलाफ़ एफ आई आर दर्ज करवा दी है। अब केजरीवाल ज़रूर पछता रहे होंगे कि जेल से बाहर आए तो आए ही क्यों?

हिटमैन भी वह किसे कह रही हैं, बहुत साफ़ नहीं है। राजनीति में महिलाओं की यह करुण कथा कोई नहीं है। लेकिन आम आदमी पार्टी में नई है। अब तो आम आदमी पार्टी की संस्थापक सदस्य योगिता भवाना आज कह रही थीं कि यह आम आदमी पार्टी नहीं, एंटी औरत पार्टी हो गई है। स्वाति मालीवाल भी आम आदमी पार्टी की संस्थापक सदस्य रही हैं। तो क्या शीश महल में सौतिया डाह में पिट गईं, राज्य सभा सांसद स्वाति मालीवाल। कि अपनी राज्य सभा सदस्यता बचाने की ज़िद में पिट गईं स्वाति मालीवाल। कि कोई तीसरी कहानी है, तीसरा-चौथा एंगिल भी है, इस पिटाई के पीछे। जो भी हो अरविंद केजरीवाल का जेल से बाहर आना उन के लिए बहुत भारी पड़ गया है। अरविंद केजरीवाल ने स्वाति मालीवाल को पिटवाया है तो कोई नई बात नहीं है। अपने चीफ सेक्रेटरी को भी इसी शीश महल में वह पिटवा चुके हैं और उन का कुछ नहीं हुआ। वह तो अभ्यस्त हैं। तो अगर अभिषेक मनु सिंधवी को राज्य सभा भेजने के लिए स्वाति मालीवाल की सदस्यता की बलि लेने के लिए पिटवा दिया है तो केजरीवाल के लिए यह सामान्य बात है। हां , अगर सुनीता केजरीवाल ने स्वाति मालीवाल की पिटाई करवाई है तो कहानी बड़ी है। कोई औरत किसी औरत को एक ही वज़ह से पिटवा सकती है, वह सौतिया डाह ही है, कुछ और नहीं। फिर तो अरविंद केजरीवाल के हरम की अभी और कहानियां भी आनी शेष हैं। अभी तो शुरुआत है। साढ़े चार घंटे दिल्ली पुलिस अगर स्वाति मालीवाल के घर रह कर लौटी है तो ख़ाली हाथ तो नहीं ही आई। विभव कुमार के ख़िलाफ़ एफ आई आर का कागज़ ले कर एफ आई आर दर्ज कर दी है। मेडिकल हो गया है। मजिस्ट्रेट के सामने बयान भी। शीश महल में पुलिस की पड़ताल भी। विभव ने भी एफ आई आर की तहरीर दे दी है। पुलिस को जब स्वाति मालीवाल ने फ़ोन कर बताया कि उन्होंने मुझे पिटवाया है। यह ' उन्होंने ' कौन है। अरविंद कि सुनीता। इस का स्पष्टीकरण भी शेष है। वैसे भी स्वाति मालीवाल का ट्वीट बताता है कि स्वाति मालीवाल अभी बहुत संभल कर चल रही हैं।

कुछ समय पहले की क्लिपिंग्स में आतिशी मार्लेना, अरविंद केजरीवाल के साथ जो नज़ाकत और अंदाज़ में उपस्थित दिखती हैं, बार-बार दिखती हैं, सब के ही लिए अचरज और रश्क का विषय होता है। उन का सौंदर्य देखते बनता है। उन के लटके-झटके भी। वैसे एक बात यह भी हुई कि जेल से वापस आने के बाद केजरीवाल के साथ आतिशी की वह अटक-मटक देखने को नहीं मिली है। तो क्या सुनीता केजरीवाल ने इस पर भी केजरीवाल को टाइट कर दिया है? क्या पता ! याद कीजिए आतिशी के पहले कभी इसी आतिशी की धज में कभी स्वाति मालीवाल भी केजरीवाल के आगे-पीछे उपस्थित रहती थीं। यही लटके-झटके। और यही नाज़ो-अदा-अंदाज़। तब के दिनों स्वाति मालीवाल को महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया था केजरीवाल ने। लेडी सिंघम बना और बता रखा था केजरीवाल ने स्वाति मालीवाल को। स्वाति मालीवाल के पति नवीन जयहिंद एक समय केजरीवाल के ख़ास दोस्त हुआ करते थे। अब स्वाति का नवीन से तलाक़ हो चुका है। पर जब स्वाति के साथ शीश महल में पिटाई हुई तो वह खुल कर स्वाति के साथ खड़े हो गए।

अकसर दहाड़ने वाले अरविंद केजरीवाल बिहार की बोली में लखनऊ में क्यों नरभसा गए। हुआ यह कि लखनऊ में अखिलेश यादव के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस करते हुए अरविंद केजरीवाल से

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में रहा ऐश्वर्या राय का जलवा, स्टाइलिश एंट्री लेकर कियारा आडवाणी ने भी जमाया रंग, देखें तस्वीरें

▪ आधी आबादी डेस्क

हर साल की तरह इस बार भी फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में कान्स फिल्म फेस्टिवल का आयोजन शुरू हो गया है। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 के पहले दिन ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने लुक से सबका ध्यान खींचा। पहले दिन के बाद वह दूसरे दिन भी अपने लुक्स और ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में रहीं। वहीं, ऐश्वर्या के अलावा लोगों की नजरें कियारा आडवाणी पर भी टिकी हैं, जो इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू कर रही हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में हर बार ऐश्वर्या राय बच्चन कुछ ऐसा पहनती हैं, जिससे लोग उनके लुक के बारे में बाते करते नहीं थकते। 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन ऐश्वर्या का ब्लैक गोल्डन आउटफिट में रेड कार्पेट पर एंट्री ली। अब एक्ट्रेस के दूसरे दिन का लुक भी चर्चा में है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए कियारा किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहतीं। उन्होंने डीप नेकलाइन और थाई-हाई स्लिट व्हाइट गाउन में स्टाइलिश एंट्री ली है। सेलिब्रिटी डिजाइनर प्रबल गुरुंग द्वारा डिजाइन की गई ड्रेस में कियारा किसी अप्सरा से कम नहीं लगीं।

इस अवसर पर उर्वशी रौतेला भी अपने अंदाज में नजर आईं।

ऐश्वर्या राय बच्चन

कियारा आडवाणी

उर्वशी रौतेला

आदिति राव हैदरी

आपका वोट है
आपकी ताकत,
मतदान अवश्य करें!

आधी आबादी
हर सन्डे वूमेन्स डे

पहला चरण – 19 अप्रैल
दूसरा चरण – 26 अप्रैल
तीसरा चरण – 7 मई
चौथा चरण – 13 मई
पांचवां चरण – 20 मई
छठा चरण – 25 मई
सातवां चरण – 1 जून

मतदान अवश्य करें!

प्रबंध संपादक: दिनेश के सिंह ❁ संपादक: हीरेन्द्र झा ❁ सलाहकार संपादक: चारुल मल्लिक, राजेश शर्मा, गीता सिंह ❁ डिज़ाइनर: मो. हसमतुल्लाह अंसारी

RNI-DELHIN/2013/51353